Regarding EPS95

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले (बारामती): अध्यक्ष महोदय, मैं आज शून्यकाल में एक बहुत ही इम्पॉर्टेंट इश्यू सीनियर सिटीजन के बारे में बताना चाहती हूं। इस देश में एम्पलाइज प्रोविडेंट फंड की एक एनुअल रिपोर्ट आती है, जिससे पता चला है कि एम्पलाइज पेंशन स्कीम, 1995 है, बहुत सारे ज्येष्ठ नागरिक हैं। जब वे नौकरी में थे तब उन्होंने बड़े विश्वास से प्रोविडेंट फंड में पैसा जमा कराया था, लेकिन आज ईपीएस 95 के जो बेनिफिशियरी हैं, उसमें 1.8 मिलियन पेंशनर्स ऐसे हैं, जिनको एक हजार रुपये से कम हर महीने मिलता है। सबसे ज्यादा चार या पांच हजार रुपये से ज्यादा एक भी पेंशर्स को पैसा नहीं मिलता। इस पूरे वर्क सेक्टर का जो फोर्स है, उसका अगर एक ऐवरेज निकले तो 1500 रुपये ही ईपीएस 95 से मिलता है।

आज इतनी महंगाई है कि अगर कोई दादा-दादी, नाना-नानी उनके छोटे पोते या पोती के लिए जन्म दिन पर कोई गिफ्ट भी देना चाहे, अगर उनको 1500 रुपये पूरे में महीने मिलता है, यह उनके हक की कमाई है। उन्होंने पूरी लाइफ बच्चों को बड़ा करने में लगाया, बच्चों की पढ़ाई और घर लेने में लगा दिया। अब रिटायर होकर वह अपनी मेहनत का हक मांग रहे हैं। महोदय, आप सोचिए कि 1500 रुपये में एक रिटायर्ड आदमी कैसे जी सकता है? आज हेमा जी सदन में नहीं है, वह खुद इन सब बातों को लेकर माननीय प्रधान मंत्री जी से मिलने गई थीं और माननीय प्रधान मंत्री जी ने उनको गारंटी दी थी कि वह कुछ करेंगे, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ है।

महोदय, मैं सरकार से हाथ जोड़कर विनती करती हूं कि ईपीएस-95 पेंशन स्कीम में लोगों की छोटी सी मांग है। यह उनके हक का पैसा है जो सरकार के पास पड़ा हुआ है। इनकी तीन मांगें है ? प्वाइंट नंबर एक है कि पूरा कैलकुलेशन ढंग से किया जाए। दूसरा प्वाइंट है कि स्पाउस में बीवी या पति में से अगर कोई एक पहले चला जाए तो उनके हक का पैसा ठीक से मिलना चाहिए। तीसरी बात कॉस्ट ऑफ इंडेक्स की है, ईपीएस-95 पेंशन स्कीम के तहत उनके हक का पैसा उनको ही मिलना चाहिए, इसे सरकार न रखे क्योंकि यह उनका ही पैसा है और सरकार ने इसे गलत तरीके से अपने पास रखा है।

महोदय, मैं हाथ जोड़कर सरकार से विनती करती हूं, आप गारंटी की सरकार बोलते हैं तो प्लीज़, सीनियर सिटिजन्स को, जो गारंटी एक स्कीम ने दी थी, उसे पूरा करें और जल्द से जल्द सीनियर सिटिजन्स को उनके हक का पेंशन का फंड दें।

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Sir, the Committee Report is already there but the Government is doing nothing.

HON. CHAIRPERSON: Please sit.

? (*Interruptions*)

माननीय सभापति: आप स्लिप भेज दें।

? (व्यवधान)